ज्ञान. आवाज़. लोकतंत्र.
प्रिया

केस स्टडी

“सागड़ोद पंचायत की प्रथम महिला सभा”

सहयोग

दिनांक –

स्थान – सागड़ोद –राजस्थान

ग्रामीण परिवेश में महिलाएं अपनी बात खुलकर नहीं रखा पाती है, साथ ही ग्राम पंचायतों तक महिलाओं की पहुँच भी बहुत कम है । कार्यक्षेत्र के ग्राम पंचायतों में महिलाएं बहुत जरुरी काम होने पर ही जाती थी और ग्राम सभाओं में उनकी भागीदारी बहुत ही कम थी । क्योंकि उनका मानना था कि ग्राम सभा में हम जाकर क्या करेंगे, हमारे घर के पुरुष चले जायेंगे और यदि कोई समस्या होगी तो वो हमें बता देंगे । हमारे स्वस्थ्य के लिए तो हॉस्पिटल है ही, ग्राम पंचायत इसमें क्या करेगी ! इस मानसिकता को बदलने और ग्राम सभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये ग्राम सभा से पूर्व महिला सभाओं के आयोजन का निर्णय लिया गया ।

रणनीति के तहत सर्वप्रथम तलवाड़ा ब्लॉक की सागड़ोद ग्राम पंचायत के सभागार में महिला सभा का आयोजन किया गया । ग्राम सचिव श्री महेंद्र जी ने कहा कि प्रिया संस्थान जो लगातार तलवाड़ा के 23 पंचायतों को सशक्त करने हेतु ग्राम सभा व् महिला सभा में महिला व् ग्राम वासियों की भागीदारी को मजबूत कर रही है और साथ ही महिला केन्द्रित विकास योजनाओं के निर्माण का प्रयास कर रही है; हम उनसे यह कहना चाहते है कि इस कोशिश में अब संस्था अकेली नहीं है हमारी पंचायत भी प्रिया के साथ मिलकर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कार्य करेगी और इसी उद्देश्य से आज हमने अपने पंचायत की महिलाओं की समस्याओं को सुनने और समझने के लिए महिला सभा का आयोजन किया है । इस विशेष अवसर पर आज हमारे साथ प्रिया संस्था के अधिकारी श्रीमती नसीमा जी खातून मौजुद है, मैं नसीमा जी से आग्रह करता हूं कि वे महिला सभा की प्रक्रिया को शुरू करें ।

सभा को संबोधित करते हुए नसीमा जी ने कहा, जैसा कि आप जानते है प्रिया संस्था आपके बीच मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर कार्य कर रही है। आपको ये जानकर बहुत दुख होगा कि हमारा राजस्थान मातृ एवं शिशु मुत्यु दर के मामलो में देश के निचे से क्रमशः तीसरे और पांचवे पायदान पर है, जो अपने आप में बहुत ही चिंताजनक विषय है। इस स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए स्वास्थ तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ पंचायतो की भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हैं, इसलिए वर्तमान समय में प्रिया राजस्थान के दो जिले जयपुर (गोविंदगढ़ ब्लॉक) और बांसवाड़ा (बांसवाड़ा और तलवाड़ा ब्लॉक) में समुदाय, पंचायत एवं प्रशासन के सहयोग से मातृ एवं शिशु

स्वास्थ्य में सुधार लाने का प्रयास कर रही है। प्रिया द्वारा सागड़ोद पंचायत में लगातार गर्भवती महिलाओं के साथ बैठक किया जा रहा है। आज हम आपको बताना चाहते है कि यदि महिलाएं संगठित हो जाये तो बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान कर सकती है। मैं आपको राजस्थान के उन पंचायतों की कहानियां दिखाने जा रही हूँ जहाँ पर महिलाओं ने पंचायत की बागडोर अपने हाथ में ली और गाँव के लोगों के जीवनस्तर को आगे बढ़ाया । इसके बाद सभी को पंचायती राज विभाग, भारत सरकार द्वारा महिला सभा पर बनाया गया एक विडिओ दिखाया गय, जिसमें यह बताया गया कि किस प्रकार गांव की महिलाएं घर-घर घुमकर महिला सभा का निमत्रंण देते है, वे ढोल बजाते हुए प्रत्येक घर में जाते है और महिलाओं को पीले चावल देते हुए महिला सभा में आने के लिए प्रेरित करते है।

इसके बाद महिला सभा की आवश्यकता एवं महत्त्व पर चर्चा की गयी । नसीमा जी ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि किस तरह से वागड़ क्षेत्र में महिलाओं को उनके हक अधिकार हेतु बोलने की अनुमती नहीं दी जाती और उनका शोषण किया जाता है, जिसके कारण उनको बहुत सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस बात पर सागड़ोद की ए.एन.एम. श्रीमती सुमित्रा जी ने कहा कि मैं पिछले सात-आठ सालों से सरपंच व सचिव साहब के पास जाकर गुहार लगाती रही हूँ लेकिन किसी ने भी अब तक मेरी परेशानी को नहीं सुना और न ही समझा.. ऐसा पहली बार हो रहा है कि मुझे अपनी परेशानी को रखने का मौका पंचायत ने दिया । मैं पंचायत को बताना चाहती हूं कि ये मेरी व्यक्तिगत परेशानी नहीं है, ये सागड़ोद पंचायत के सभी गर्भवती महिलाओं की परेशानी है । आप सब जानते है कि सागड़ोद पी.एच.सी. के पास ही प्रसव घर बनने का प्रस्ताव था लेकिन ऐसा नहीं हुआ, पंचायत ने वहां प्रसव घर न बनाकर शौचालय निर्माण कर दिया । इसके अलावा पी.एच.सी. के चारों ओर बरसात में पानी जम जाता है, ऐसे में हम गर्भवती महिलाओं को बेहतर सुविधाओं कैसे दे पाएगें । और हां इस पी.एच.सी. में हम तीन ए.एन.एम. कार्यरत है और यहां पर कोई डॉक्टर नहीं आता । हम ये चाहते है कि पंचायत हमारी इन मांगों को पूरा करे, ताकि सागड़ोद पंचायत में महिलाओं को स्वास्थ्य की और बेहतर सुविधा मिलें ।

ए.एन.एम. की बात सुनकर उपस्थित महिलाओं ने भी अपनी सहमती जताते हुए श्री महेन्द्र जी (ग्राम सचिव) को कहा कि सचिव साहब इसके साथ-साथ ये भी कोशिश करों कि क्या हमारे पी.एच.सी. को सी.एस.सी. बनाया जा सकता है ? क्योकि सागड़ोद के पी.एस.सी में कोई बेहतर सुविधा न होने के कारण हमें सी.एच.सी. जाना पड़ता है जो सुरवानिया पंचायत में आता है, जिसकी दूरी सागड़ोद से 20 किलोमिटर है और आने-जाने के लिए कोई सुविधा भी नहीं है। ज्यादा जरुरत पड़ी तो अपनी खुद की गाड़ी करनी पड़ती है और जिनके पास कोई गाड़ी नहीं है वे पैदल ही आते-जाते है । इसीलिए ज्यादातर लोग प्राईवेट हॉस्पिटल या झोलाछाप डॉक्टर के पास जाते है, अतः सागड़ोद पंचायत में सी.एच.सी तो होनी ही चाहिए ।

उपरोक्त प्रस्ताव पर चर्चा के बाद उपस्थित महिलओं ने बताया की हमारे पंचयात की कई महिलाएं सेनेटरी पेड का उपयोग करती तो है लेकिन कुछ महिलाओं को ही ये मिल पाता है क्योंकि हर महिला की सेनेटरी पेड खरीदने की क्षमता नहीं है । इसलिए हम सभी ये चाहते है कि महिलाओं को मुफ्त सेनेटरी पेड वितरण किया जाए, ताकि ज्यादातर महिलाएं पेड का उपयोग करने में सफल हो सके । और साथ ही ग्राम पंचायत सागदोड के पास वाली स्कूल में सेनेटरी पेड के निपटान की मशीन लगवाई जाये ताकि गांव की महिलाएं व बच्चियाँ सेनेटरी पेड का उपयोग करने के बाद उसमें डाल सके । ऐसा हो जाने से उन्हें पेड को इधर-उधर नहीं फेकना पड़ेगा और गाँव में स्वछता भी बढ़ेगी ।

उसके अलावा महिला सभा में उपस्थित महिलाओं ने कहा कि हमें सिलाई, ब्यूटी पार्लर व् कंप्यूटर का ज्ञान भी दिया जाये ताकि हम आगे बढ़कर कुछ अच्छा कर सके। इसके लिए ग्राम पंचायत में हमें प्रशिक्षण दिया जाये। इस कार्य के लिए ग्राम पंचायत सागडोद के उप-सरपंच जी ने कहा कि सिलाई प्रशिक्षण हेतु ग्राम पंचायत आपको एक भवन देगा, जिसमें आपको सिलाई व् ब्यूटी पार्लर का कार्य सिखाया जायेगा। सागड़ोद पंचायत के सचिव श्री महेन्द्र जी ने उपस्थित सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आने वाली ग्राम सभा में महिला सभा के इन प्रस्तावों को रखा जाएगा लेकिन इसके लिए हमें और भी लोगों को जागरुक करना होगा । आज इस महिला सभा के उपरांत ग्राम सभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है और महिलाओं के मुद्दों को भी ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) में प्रमुखता से लिया गया है ।